एक्सआइएसएस में संत फ्रांसिस जेवियर का पर्व मना

रांची. एक्सआइएसएस, रांची में शुक्रवार को संस्था के संरक्षक संत फ्रांसिस जेवियर एसजे का पर्व मनाया गया. निदेशक डॉ जोसेफ मरियानूस कुजूर

एसजे ने पवित्र मिस्सा का संचालन किया. उन्होंने कहा कि संत फ्रांसिस जेवियर वर्ष 1542 में भारत आये और लोगों के बीच अपनी सेवा दी. संत फ्रांसिस जेवियर का ताबूत गोवा के बेसिलिका ऑफ बॉम जीसस में रखा हुआ है. डॉ जोसेफ ने कहा कि संत फ्रांसिस जेवियर एक मिशनरी होने के साथ-साथ दूरदृष्टि रखते थे. लोगों को जीवन में आगे बढ़ने, खुद को दूसरों की भलाई के लिए समर्पित करने और व्यक्तित्व निर्माण की प्रेरणा देते थे. पर्व विशेष पर रोट्रेक्ट क्लब ऑफ सोशल रिवोल्यूशन (आरसीएसआर) के सदस्यों ने रक्तदान शिविर लगाया. इस अवसर पर सहायक निदेशक डॉ प्रदीप केरकेट्टा, फादर जेवियर सोरेंग, क्लेबर मिंज, फादर समीर आदि उपस्थित थे.

PRABHAT KHABAR

सेंट फ्रांसिस जेवियर की याद में शनिवार को हुए कार्यक्रम में शामिल अनुयायी।

सेंट फ्रांसिस जेवियर को किया याद

रांची। जेवियर समाज सेवा संस्थान में शनिवार को सेंट फ्रांसिस जेवियर की याद में फीस्ट डे का आयोजन किया गया। इस दौरान संस्थान के फैकल्टी, कर्मियों व छात्रों ने पवित्र मिस्सा उत्सव में भाग लिया। कहा, जेवियर 1542 में ईश्वर के वचन का प्रसार करने भारत आए थे। यहां उन्होंने 10 वर्षों तक प्रसार के लिए अथक परिश्रम किया। संस्था के निदेशक डॉ जोसफ मारियानुस कुजूर ने छात्रों से सेंट फ्रांसिस जेवियर की तरह बनने की आकांक्षा रखने की बात कही।

HINDUSTAN

एक्सआईएसएस: सेंट फ्रांसिस जेवियर की याद में मना फीस्ट डे

जेवियर समाज सेवा संस्थान (एक्सआईएसएस), रांची में शनिवार को सेंट फ्रांसिस जेवियर की याद में फीस्ट डे का आयोजन किया गया। इस दौरान संस्थान के फैकल्टी,...

रांची, प्रमुख संवाददाता। जेवियर समाज सेवा संस्थान (एक्सआईएसएस), रांची में शनिवार को सेंट फ्रांसिस जेवियर की याद में फीस्ट डे का आयोजन किया गया। इस दौरान संस्थान के फैकल्टी, कर्मचारियों और विद्यार्थियों ने पवित्र मिस्सा उत्सव में भाग लिया। बताया गया कि सेंट फ्रांसिस जेवियर वर्ष 1542 में ईश्वर के वचन का प्रसार करने के लिए भारत आए थे। यहां उन्होंने 10 वर्षों तक प्रसार के लिए अथक परिश्रम किया। उनका ताबूत गोवा के बेसिलिका ऑफ बॉम जीसस में रखा हुआ है।

संस्था के निदेशक डॉ जोसफ मारियानुस कुजूर ने छात्रों से सेंट फ्रांसिस जेवियर की तरह बनने की आकांक्षा रखने की बात कही। कहा कि सेंट जेवियर एक मिशनरी और दूरदर्शी व्यक्ति थे। समाज में हर व्यक्ति को उत्कृष्टता के लिए आगे बढ़ना चाहिए। इसके बाद उन्होंने पूरे एक्सआईएसएस परिवार की भलाई के लिए प्रार्थना की। सहायक निदेशक डॉ प्रदीप केरकेट्टा, फादर जेवियर सोरेंग, फादर क्लेबर मिंज और फादर समीर ने प्रार्थना का नेतृत्व किया।

रक्तदान शिविर आयोजित

कार्यक्रम में बाइबल से पहली व दूसरी रीडिंग हुई। मौके पर एक्सआईएसएस के रोटरैक्ट क्लब ऑफ सोशल रेवोल्यूशन (आरसीएसआर) की ओर से रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया गया। इसमें काफी संख्या में विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम का समापन उपस्थित कैथोलिक सदस्यों के बीच होली युकरिस्ट के वितरण के साथ हुआ।

यह हिन्दुस्तान अखबार की ऑटेमेटेड न्यूज फीड है, इसे लाइव हिन्दुस्तान की टीम ने संपादित नहीं किया है।

HINDUSTAN ONLINE

दूरदर्शी व्यक्ति थे सेंट फ्रांसिस जेवियर

जासं, रांची : जेवियर समाज सेवा संस्थान (एक्सआइएसएस) रांची में संरक्षक सेंट फ्रांसिस जेवियर एसजे की याद में फीस्ट डे पर्व का आयोजन किया गया। संस्थान के फैकल्टी, कर्मचारियों और छात्रों ने अपने संरक्षक का आशीर्वाद लेने के लिए पवित्र मिस्सा उत्सव में भाग लिया। सेंट फ्रांसिस जेवियर वर्ष 1542 में ईश्वर के वचन का प्रसार करने के लिए भारत आए। लगभग 10 वर्षों तक अथक परिश्रम किया। इस प्रेरक कार्यकाल के दौरान उन्होंने कई लोगों के जीवन को छुआ। उनका ताबूत गोवा के बेसिलिका आफ बाम जीसस में रखा हुआ है। संचालन एक्सआइएसएस के निदेशक डा. जोसफ मारियानुस कुजुर एसजे द्वारा किया गया। मौके पर उन्होंने छात्रों से सेंट फ्रांसिस जेवियर की तरह बनने की आकांक्षा रखने की कामना की। उन्होंने कहा सेंट जेवियर एक मिशनरी और दूरदर्शी व्यक्ति थे।

एक्सआइएसएस में आयोजित कार्यक्रम में प्रार्थना करते लोग • जागरण

एक्सआइएसएस में आयोजित कार्यक्रम में प्रस्तुति देते कलाकार • जागरण

समाज को औसत बनने के लिए कभी समझौता नहीं करना चाहिए और प्रत्येक व्यक्ति को उत्कृष्टता के लिए आगे बढ़ना चाहिए। पुरुषों और महिलाओं को खुद को दूसरों की भलाई के लिए समर्पित करना चाहिए और अपने व्यक्तित्व के निर्माण को महत्व देना चाहिए।

एक्सआइएसएस परिवार की भलाई के लिए प्रार्थना

एक्सआइएसएस के सहायक निदेशक डा. प्रदीप केरकेट्टा एसजे के साथ उपस्थित फा. जेवियर सोरेंग एसजे, फा. क्लेबर मिंज एसजे और फा. समीर एसजे ने प्रार्थना का नेतृत्व किया और दोहराया कि सेंट फ्रांसिस जेवियर के गुणों को आत्मसात करने के लिए हमें सभी प्रयास करने चाहिए। कार्यक्रम में बाइबल से पहली, दूसरी रीडिंग और निदेशक, एक्सआईएसएस द्वारा एक छोटा सा उपदेश शामिल था। जिसमें उन्होंने पूरे एक्सआईएसएस परिवार की भलाई की प्रार्थना की। कार्यक्रम का समापन उपस्थित कैथोलिक सदस्यों के बीच होली यूकरिस्ट के वितरण के साथ हुआ। सहायक निदेशक ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया।

DAINIK JAGRAN

Feast of St Francis Xavier celebrated at XISS

RANCHI: Xavier Institute of Social Service (XISS), Ranchi, celebrated the feast of its patron St Francis Xavier SJ on Friday. Faculty, Staff, and students participated in the Holy Eucharistic Celebration to seek blessings of their patron, who during his short yet inspiring tenure on earth touched the lives of many.

Widely known as the apostle patron of India, St Francis Xavier came to India in the year 1542 to spread the Word of God and worked tirelessly for almost 10 years. His casket is entombed in Basilica of Bom Jesus, Goa.

The mass was conducted by Dr Joseph Marianus Kujur SJ, Director, XISS, and in his tribute he wished students to aspire to be like St Francis Xavier. He said, "St Xavier was a missionary and visionary person who thought of the society and the people. He believed that the society should not settle for mediocrity and that every individual should thrive for excellence. Men and women should provide themselves for others and the person should take importance in building their personality."Dr Pradeep Kerketta SJ, Assistant Director, XISS along with Fr Xavier Soreng SJ, Superior, XISS, Fr ClaberMinzSJ, and Fr Samir SJ led the congregation in prayer and reiterated that we should make all efforts to imbibe the qualities of St Francis Xavier.

The mass consisted of the first, second readings from the Bible and a short homily by Director, XISS who prayed for the well-being of entire XISS family. The programme concluded by the distribution of Holy Eucharist to all Catholic members present.

The vote of thanks was given by Dr Pradeep Kerketta SJ, Assistant Director, XISS, who thanked the choir, and everyone present for participating in the mass prayer. A cake cutting ceremony was also organized by the XISS Family on the occasion.

Blood Donation Camp organized by RCSR Club

A Blood Donation Camp was also organized by the Rotaract Club of Social Revolution (RCSR) of XISS. Director, XISS said that it was very symbolic to have the blood donation camp on the feast day of St Francis Xavier. As Fr Xavier gave his life, sweat and blood for the people of India so also are the blood donors by happily giving blood give new life to many who are in need of blood to save their lives.

MORNING INDIA

एक्सआईएसएस में सेंट फ्रांसिस जेवियर एसजे की याद में फीस्ट डे पर्व का आयोजन

फ्रीडम फाइटर संवाददाता

रांची : जेवियर समाज सेवा संस्थान (एक्सआईएसएस), रांची ने शुक्रवार को अपने संरक्षक सेंट फ्रांसिस जेवियर एसजे की याद में फीस्ट डे पर्व का आयोजन किया। संस्थान के फैकल्टी, कर्मचारियों, और छात्रों ने अपने संरक्षक का आशीर्वाद लेने के लिए पवित्र मिस्सा उत्सव में भाग लिया। सेंट फ्रांसिस जेवियर वर्ष 1542 में ईश्वर के वचन का प्रसार करने के लिए भारत आए और लगभग 10 वर्षों तक अथक परिश्रम किया और इस प्रेरक कार्यकाल के दौरान उन्होंने कई लोगों के जीवन को छुआ। उनका ताबूत गोवा के बेसिलिका ऑफ बॉम जीसस में रखा हुआ है। एक्सआईएसएस में आयोजित इस कार्यक्रम का संचालन डॉ जोसफ मारियानुस कुजुर एसजे, निदेशक,

एक्सआईएसएस द्वारा किया गया, जिन्होंने छात्रों से सेंट फ्रांसिस जेवियर की तरह बनने की आकांक्षा रखने की कामना की। उन्होंने कहा, सेंट जेवियर एक मिशनरी और दूरदर्शी व्यक्ति थे समाज को औसत बनने के लिए कभी समझौता नहीं करना चाहिए और प्रत्येक व्यक्ति को उत्कृष्टता के लिए आगे बढ़ना चाहिए। पुरुषों और महिलाओं को खुद को दूसरों की भलाई के लिए समर्पित करना चाहिए और अपने व्यक्तित्व के निर्माण को महत्व देना चाहिए। डॉ. प्रदीप केरकेट्टा एसजे, सहायक निदेशक, एक्सआईएसएस के साथ उपस्थित फादर जेवियर सोरेंग एसजे, फादर क्लेबर मिंज एसजे, और फादर समीर एसजे ने प्रार्थना का नेतृत्व किया और दोहराया कि सेंट फ्रांसिस जेवियर के गुणों को आत्मसात करने के लिए हमें सभी प्रयास करने चाहिए। कार्यक्रम में बाइबल से पहली, दूसरी रीडिंग और निदेशक, एक्सआईएसएस द्वारा एक छोटा सा उपदेश शामिल था, जिसमें उन्होंने पूरे एक्सआईएसएस परिवार की भलाई के लिए प्रार्थना की। कार्यक्रम का समापन उपस्थित कैथोलिक सदस्यों के बीच होली युकरिस्ट के वितरण के साथ हुआ। सहायक निदेशक, एक्सआईएसएस ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया जिसमें सामूहिक प्रार्थना में भाग लेने के लिए छात्रों के क्वायर ग्रुप और उपस्थित सभी लोगों को धन्यवाद दिया। इस मौके पर एक्सआईएसएस फैमिली की ओर से एक केक कटिंग सेरेमनी भी आयोजित की गयी।

आरसीएसआर क्लब ने रक्तदान शिविर का किया आयोजन

एक्सआईएसएस के रोटरैक्ट क्लब ऑफ सोशल रेवोल्यूशन (आरसीएसआर) द्वारा रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया गया। निदेशक, एक्सआईएसएस ने कहा कि सेंट फ्रांसिस जेवियर के पर्व के दिन रक्तदान शिविर का होना बहुत प्रतीकात्मक है। जैसे फादर जेवियर ने भारत के लोगों के लिए अपना जीवन, पसीना और खून दिया, वैसे ही रक्तदाता भी खुशी-खुशी रक्त देकर उन लोगों को नया जीवन देते हैं जिन्हें अपना जीवन बचाने के लिए रक्त की आवश्यकता होती है।

FREEDOM FIGHTER

एक्सआईएसएस में सेंट फ्रांसिस जेवियर एसजे की याद में फीस्ट डे पर्व का आयोजन

पंच संवाददाता

रांची। जेवियर समाज सेवा संस्थान (एक्सआईएसएस), रांची ने शुक्रवार को अपने संरक्षक सेंट फ्रांसिस जेवियर एसजे की याद में फीस्ट डे पर्व का आयोजन किया। संस्थान के फैकल्टी, कर्मचारियों, और छात्रों ने अपने संरक्षक का आशीर्वाद लेने के लिए पवित्र मिस्सा उत्सव में भाग लिया। सेंट फ्रांसिस जेवियर वर्ष 1542 में ईश्वर के वचन का प्रसार करने के लिए भारत आए और लगभग 10 वर्षों तक अथक परिश्रम किया और इस प्रेरक कार्यकाल के दौरान उन्होंने कई लोगों के जीवन को छुआ। उनका ताबूत गोवा के बेसिलिका ऑफ बॉम जीसस में रखा हुआ है। एक्सआईएसएस में आयोजित इस कार्यक्रम का

■ संस्थान के फैकल्टी, कर्मचारियों, और छात्रों ने अपने संरक्षक का आशीर्वाद लेने के लिए पवित्र मिस्सा उत्सव में भाग लिया।

संचालन डॉ जोसफ मारियानुस कुजुर एसजे, निदेशक, एक्सआईएसएस द्वारा किया गया, जिन्होंने छात्रों से सेंट फ्रांसिस जेवियर की तरह बनने की आकांक्षा रखने की कामना की। उन्होंने कहा, सेंट जेवियर एक मिशनरी और दूरदर्शी व्यक्ति थे समाज को औसत बनने के लिए कभी समझौता नहीं करना चाहिए और प्रत्येक व्यक्ति को उत्कृष्टता के लिए आगे बढ़ना चाहिए। पुरुषों और महिलाओं को

खुद को दूसरों की भलाई के लिए समर्पित करना चाहिए और अपने व्यक्तित्व के निर्माण को महत्व देना चाहिए। डॉ प्रदीप केरकेट्टा एसजे, सहायक निदेशक, एक्सआईएसएस के साथ उपस्थित फादर जेवियर सोरेंग एसजे, फादर क्लेबर मिंज एसजे, और फादर समीर एसजे ने प्रार्थना का नेतृत्व किया और दोहराया कि सेंट फ्रांसिस जेवियर के गुणों को आत्मसात करने के लिए हमें सभी प्रयास करने चाहिए। कार्यक्रम में बाइबल से पहली, दूसरी रीडिंग और निदेशक, एक्सआईएसएस द्वारा एक छोटा सा उपदेश शामिल था, जिसमें उन्होंने पूरे एक्सआईएसएस परिवार की भलाई के लिए प्रार्थना की। कार्यक्रम का समापन उपस्थित कैथोलिक सदस्यों के बीच होली युकरिस्ट के वितरण के साथ हुआ। सहायक निदेशक, एक्स आईएसएस ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया जिसमें सामूहिक प्रार्थना में भाग लेने के लिए छात्रों के क्वायर ग्रुप और उपस्थित सभी लोगों को धन्यवाद दिया। इस मौके पर एक्सआईएसएस फैमिली की ओर से एक केक कटिंग सेरेमनी भी आयोजित की गई।

आरसीएसआर क्लब द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन

एक्सआईएसएस के रोटरैक्ट क्लब ऑफ सोशल रेवोल्यूशन (आरसीएसआर) द्वारा रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया गया। निदेशक, एक्सआईएसएस ने कहा कि सेंट फ्रांसिस जेवियर के पर्व के दिन रक्तदान शिविर का होना बहुत प्रतीकात्मक है।

PUNCH

एक्सआईएसएस में सेंट फ्रांसिस जेवियर एसजे की याद में फीस्ट डे पर्व का आयोजन

बिभा संवाददाता

रांची : जेवियर समाज सेवा संस्थान (एक्सआईएसएस), रांची ने शुक्रवार को अपने संरक्षक सेंट फ्रांसिस जेवियर एसजे की याद में फीस्ट डे पर्व का आयोजन किया। संस्थान के फैकल्टी, कर्मचारियों, और छात्रों ने अपने संरक्षक का आशीर्वाद लेने के लिए पवित्र मिस्सा उत्सव में भाग लिया।

सेंट फ्रांसिस जेवियर वर्ष 1542 में ईश्वर के वचन का प्रसार करने के लिए भारत आए और लगभग 10 वर्षों तक अथक परिश्रम किया और इस प्रेरक कार्यकाल के दौरान उन्होंने कई लोगों के जीवन को छुआ। उनका ताबूत गोवा के बेसिलिका ऑफ बॉम जीसस में रखा हुआ है।

एक्सआईएसएस में आयोजित इस कार्यक्रम का संचालन डॉ जोसफ मारियानुस कुजुर एसजे, निदेशक, एक्सआईएसएस द्वारा किया गया, जिन्होंने छात्रों से सेंट फ्रांसिस जेवियर की तरह बनने की आकांक्षा रखने की कामना की। उन्होंने कहा, ह्रसेंट जेवियर एक मिशनरी और दूरदर्शी व्यक्ति थे समाज को औसत बनने के लिए कभी समझौता नहीं करना चाहिए और प्रत्येक व्यक्ति को उत्कृष्टता के लिए आगे बढ़ना चाहिए। पुरुषों और महिलाओं को खुद को दूसरों की भलाई के लिए समर्पित करना चाहिए और अपने व्यक्तित्व के निर्माण को महत्व देना चाहिए ह्व

डॉ प्रदीप केरकेट्टा एसजे, सहायक निदेशक, एक्सआईएसएस के साथ उपस्थित फादर जेवियर सोरेंग एसजे, फादर क्लेबर मिंज एसजे, और फादर समीर एसजे ने प्रार्थना का नेतृत्व किया और दोहराया कि सेंट फ्रांसिस जेवियर के गुणों को आत्मसात करने के लिए हमें सभी प्रयास करने चाहिए।

कार्यक्रम में बाइबल से पहली, दूसरी रीडिंग और निदेशक, एक्सआईएसएस द्वारा एक छोटा सा उपदेश शामिल था, जिसमें उन्होंने पूरे एक्सआईएसएस परिवार की भलाई के लिए प्रार्थना की। कार्यक्रम का समापन उपस्थित कैथोलिक सदस्यों के बीच होली युकरिस्ट के वितरण के साथ हुआ।

सहायक निदेशक, एक्सआईएसएस ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया जिसमें सामूहिक प्रार्थना में भाग लेने के लिए छात्रों के क्वायर ग्रुप और उपस्थित सभी लोगों को धन्यवाद दिया। इस मौके पर एक्सआईएसएस फैमिली की ओर से एक केक कटिंग सेरेमनी भी आयोजित की गई।

आरसीएसआर क्लब द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन

एक्सआईएसएस के रोटरैक्ट क्लब ऑफ सोशल रेवोल्यूशन (आरसीएसआर) द्वारा रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया गया। निदेशक, एक्सआईएसएस ने कहा कि सेंट फ्रांसिस जेवियर के पर्व के दिन रक्तदान शिविर का होना बहुत प्रतीकात्मक है। जैसे फादर जेवियर ने भारत के लोगों के लिए अपना जीवन, पसीना और खून दिया, वैसे ही रक्तदाता भी खुशी-खुशी रक्त देकर उन लोगों को नया जीवन देते हैं जिन्हें अपना जीवन बचाने के लिए रक्त की आवश्यकता होती है।

BIHAN BHARAT

एक्सआईएसएस में सेंट फ्रांसिस ज़ेवियर एसजे की याद में फीस्ट डे पर्व का आयोजन

chandan • December 03, 2022

Current Khabar News By Chandan Pathak: 03/12/2022

एक्सआईएसएस में सेंट फ्रांसिस ज़ेवियर एसजे की याद में फीस्ट डे पर्व का आयोजन

ज़ेवियर समाज सेवा संस्थान (एक्सआईएसएस), रांची ने शुक्रवार को अपने संरक्षक सेंट फ्रांसिस ज़ेवियर एसजे की याद में फीस्ट डे पर्व का आयोजन किया। संस्थान के फैकल्टी, कर्मचारियों, और छात्रों ने अपने संरक्षक का आशीर्वाद लेने के लिए पवित्र मिस्सा उत्सव में भाग लिया।

सेंट फ्रांसिस ज़ेवियर वर्ष 1542 में ईश्वर के वचन का प्रसार करने के लिए भारत आए और लगभग 10 वर्षों तक अथक परिश्रम किया और इस प्रेरक कार्यकाल के दौरान उन्होंने कई लोगों के जीवन को छुआ। उनका ताबूत गोवा के बेसिलिका ऑफ बॉम जीसस में रखा हुआ है।

एक्सआईएसएस में आयोजित इस कार्यक्रम का संचालन डॉ जोसफ मारियानुस कुजुर एसजे, निदेशक, एक्सआईएसएस द्वारा किया गया, जिन्होंने छात्रों से सेंट फ्रांसिस ज़ेवियर की तरह बनने की आकांक्षा रखने की कामना की। उन्होंने कहा, "सेंट जेवियर एक मिशनरी और दूरदर्शी व्यक्ति थे| समाज को औसत बनने के लिए कभी समझौता नहीं करना चाहिए और प्रत्येक व्यक्ति को उत्कृष्टता के लिए आगे बढ़ना चाहिए। पुरुषों और महिलाओं को खुद को दूसरों की भलाई के लिए समर्पित करना चाहिए और अपने व्यक्तित्व के निर्माण को महत्व देना चाहिए।"

डॉ प्रदीप केरकेट्टा एसजे, सहायक निदेशक, एक्सआईएसएस के साथ उपस्थित फादर ज़ेवियर सोरेंग एसजे, फादर क्लेबर मिंज एसजे, और फादर समीर एसजे ने प्रार्थना का नेतृत्व किया और दोहराया कि सेंट फ्रांसिस ज़ेवियर के गुणों को आत्मसात करने के लिए हमें सभी प्रयास करने चाहिए।

कार्यक्रम में बाइबल से पहली, दूसरी रीडिंग और निदेशक, एक्सआईएसएस द्वारा एक छोटा सा उपदेश शामिल था, जिसमें उन्होंने पूरे एक्सआईएसएस परिवार की भलाई के लिए प्रार्थना की। कार्यक्रम का समापन उपस्थित कैथोलिक सदस्यों के बीच होली युकरिस्ट के वितरण के साथ हुआ।

सहायक निदेशक, एक्सआईएसएस ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया जिसमें सामूहिक प्रार्थना में भाग लेने के लिए छात्रों के क्वायर ग्रुप और उपस्थित सभी लोगों को धन्यवाद दिया। इस मौके पर एक्सआईएसएस फैमिली की ओर से एक केक कटिंग सेरेमनी भी आयोजित की गई।

आरसीएसआर क्लब द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन

एक्सआईएसएस के रोटरैक्ट क्लब ऑफ सोशल रेवोल्यूशन (आरसीएसआर) द्वारा रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया गया। निदेशक, एक्सआईएसएस ने कहा कि सेंट फ्रांसिस जेवियर के पर्व के दिन रक्तदान शिविर का होना बहुत प्रतीकात्मक है। जैसे फादर जेवियर ने भारत के लोगों के लिए अपना जीवन, पसीना और खून दिया, वैसे ही रक्तदाता भी खुशी-खुशी रक्त देकर उन लोगों को नया जीवन देते हैं जिन्हें अपना जीवन बचाने के लिए रक्त की आवश्यकता होती है।

CURRENT KHABAR

एक्सआईएसएस : सेंट फ्रांसिस ज़ेवियर एसजे की याद में फीस्ट डे पर्व का आयोजन

Social News Search • December 3, 2022

रांची : ज़ेवियर समाज सेवा संस्थान (एक्सआईएसएस), रांची ने शुक्रवार को अपने संरक्षक सेंट फ्रांसिस ज़ेवियर एसजे की याद में फीस्ट डे पर्व का आयोजन किया. संस्थान के फैकल्टी, कर्मचारियों, और छात्रों ने अपने संरक्षक का आशीर्वाद लेने के लिए पवित्र मिस्सा उत्सव में भाग लिया.

1542 में सेंट फ्रांसिस भारत आए

सेंट फ्रांसिस ज़ेवियर वर्ष 1542 में ईश्वर के वचन का प्रसार करने के लिए भारत आए और लगभग 10 वर्षों तक अथक परिश्रम किया और इस प्रेरक कार्यकाल के दौरान उन्होंने कई लोगों के जीवन को छुआ. उनका ताबूत गोवा के बेसिलिका ऑफ बॉम जीसस में रखा हुआ है.

सेंट जेवियर एक मिशनरी और दूरदर्शी व्यक्ति थे : डॉ जोसफ मारियानुस कुजूर

एक्सआईएसएस में आयोजित इस कार्यक्रम का संचालन डॉ जोसफ मारियानुस कुजूर एसजे, निदेशक, एक्सआईएसएस द्वारा किया गया, जिन्होंने छात्रों से सेंट फ्रांसिस ज़ेवियर की तरह बनने की आकांक्षा रखने की कामना की. उन्होंने कहा, “सेंट जेवियर एक मिशनरी और दूरदर्शी व्यक्ति थे. समाज को औसत बनने के लिए कभी समझौता नहीं करना चाहिए और प्रत्येक व्यक्ति को उत्कृष्टता के लिए आगे बढ़ना चाहिए. पुरुषों और महिलाओं को खुद को दूसरों की भलाई के लिए समर्पित करना चाहिए और अपने व्यक्तित्व के निर्माण को महत्व देना चाहिए.”

सेंट फ्रांसिस ज़ेवियर के गुणों को आत्मसात करने के लिए प्रयास करने चाहिए

डॉ प्रदीप केरकेट्टा एसजे, सहायक निदेशक, एक्सआईएसएस के साथ उपस्थित फादर ज़ेवियर सोरेंग एसजे, फादर क्लेबर मिंज एसजे, और फादर समीर एसजे ने प्रार्थना का नेतृत्व किया और दोहराया कि सेंट फ्रांसिस ज़ेवियर के गुणों को आत्मसात करने के लिए हमें सभी प्रयास करने चाहिए.

कार्यक्रम में बाइबल से पहली, दूसरी रीडिंग और निदेशक, एक्सआईएसएस द्वारा एक छोटा सा उपदेश शामिल था, जिसमें उन्होंने पूरे एक्सआईएसएस परिवार की भलाई के लिए प्रार्थना की. कार्यक्रम का समापन उपस्थित कैथोलिक सदस्यों के बीच होली युकरिस्ट के वितरण के साथ हुआ.

SOCIAL NEWS SEARCH

Blood Donation Camp at XISS

A Blood Donation Camp was organized by the Rotaract Club of Social Revolution (RCSR) of XISS. Director, XISS said that it was very symbolic to have the blood donation camp on the feast day of St Francis Xavier. As Fr Xavier gave his life, sweat and blood for the people of India so also are the blood donors by happily giving blood to give new life to many who are in need of blood to save their lives.

PIONEER